

জাতীয় রাজস্ব বোর্ড কর্তৃক জাতীয় বাজেট ২০১৩-১৪ উপলক্ষ্যে আয়োজিত প্রাক-বাজেট আলোচনা সভায় ঢাকা চেম্বার অব কমার্স অ্যান্ড ইন্ডাস্ট্রি (ডিসিসিআই) এর বক্তব্য উপস্থাপনায় জনাব মোঃ সবুর খান, সভাপতি, ডিসিসিআই। (তারিখ : ০৬ এপ্রিল, ২০১৩ ইং, সময় : ২:৩০ ঘটিকা।)

বিসমিল্লাহির রহমানির রাহিম,

- RvZxq ivR⁻tefWf m^ombZ tPqvi g^ovb, Rbre tgvf tMvj vg tnv^omb;
- Dcw⁻Z RvZxq ivR⁻tefWf m^ombZ m^om^oe^o Ges DalZb KgRZf^o;
- Dcw⁻Z Avgvi tP^ofi i cwi Pvj bv cl^o i m^om^oe^o,

আসসালামু আলাইকুম,

মাননীয় চেয়ারম্যান,

c0tgb XvKv tP^ofi Ae Kgv^oA^ovU BÜw^o (WwmmAvB) Gi be-^obePZ cwi Pvj bv cl^o i m^ombZ m^ov^ovtZi Rb^o Avcbvi e^o Zvi gvtSI mgq^o t^obi Rb^o AvcbvtK ab^oev^o I KZAZv Avcb Ki^oQ

miKvtii A^ombZK c^oAR^obi b^omZgvjvi m^ombZ GKvZv c^oKvk Kti temiKwii Lv^oZi cy^o t^otk me ait^obi m^ovqZvi e^ovcvti AvcbvtK ^oetkl f^ovt^o Avk^o I Ki^oZ Pvb| miKvtii ivR⁻Av^oq^o Ab^oZg Drm nt^oQ temiKwii Lv^oZi ZvB temiKwii Lv^oZi Rb^o GKwU Gbvej^os cwi tek^o Zix Kiv Lv^oB Ri^oæix; hv^oZ temiKwii Lv^oZi Dci th^o i æ^ovqZ^o i t^oq^oZv m^oWKf^ote c^oZc^ojb Kti ^oek^oevRvti c^oZthvMxLv^oq^o n^oq^o m^o n^oq

মাননীয় চেয়ারম্যান,

eZ^ovb miKvtii ^obePbx AsMxKvti Nti Nti Pvkix c^ovt^obi th c^oZk^oævZ t^oqv nt^oq^oQ^o tm Av^otj vtK c^ov^oZ 6ô c^oAw^ol R^ox cwi K^olvq Av^otiv bZb 1,20,000 ^oyi^o I gvSwi ^okl^o Mto t^oZvjv Ges Av^oMvgx 2015 m^otj^o i g^ota^o 61.6 ^ogvj qb Kg^ois^ovb^o Z^omi i j^ogv^olv ^oba^oY Kiv nt^oq^oQ^o Gme j^ogv^olv AR^obi e^oemv^o-em^ov^ot^ori^o f^ovgKv Ab^o K^ovh^o Avgiv Aem^oZ th, t^otki m^ovg^ol^oK A^ombZK ^oW^oZk^oj Zv Ges^o æZ A^ombZK c^oAR^obi m^oWK ivR⁻bx^oZi f^ovgKv Lv^oB i æZc^oY^o ZvB সুষ্ঠু রাজস্ব নীতি প্রণয়ন ও তা বাস্তবায়ন অত্যন্ত জরুরী। দেশীয় শিল্পের বিকাশ ও প্রসার, রপ্তানি বৃদ্ধি, উৎপাদনশীলতা বৃদ্ধির মাধ্যমে দারিদ্র্য বিমোচন এবং কর্মসংস্থানের সুযোগ সৃষ্টির লক্ষ্যকে সামনে রেখে ব্যবসায়-বান্ধব পরিবেশ তৈরীতে রাজস্ব বোর্ডের ভূমিকা বিশেষ গুরুত্বপূর্ণ। Avk^o Kwi Avcbvi M^oZk^oj I m^othv^o K^omb^o Rbv m^oWK Ki K^ov^ovt^ogv I ivR⁻bx^oZ c^ov^oq^o ^oetkl Ae^o vb ivL^oteb|

মাননীয় চেয়ারম্যান,

XvKv tP^ofi c^oZ eQ^otii gZ Gevi I Gi m^om^ot^o i ^onbKU t^otk c^olv ev^otRU c^olv^ove^obi Av^otj vtK tP^ofi i U^ov^o kb m^osv^oš^o ÷^o v^oU^os K^ovg^o Ges M^otel Yv tmj ^oetk^ol Yce^oR ev^o I e^o-w^of^oEk GK c^olv^o m^ovc^omi kgvj v c^ov^oq^o Kti t^oQ, hv^o B^oZvg^ota^o Avcbvi m^oq ^oeteP^obi Rb^o m^ocl^o K^oic mn RvZxq ivR⁻tefW^oc^oY Kiv nt^oq^oQ

বেসরকারি খাতের বৃহত্তম প্রতিনিধি হিসেবে ঢাকা চেম্বারের বাজেট প্রস্তাবনাকে জাতীয় রাজস্ব বোর্ড সব সময় গুরুত্বের সাথে বিবেচনা করে। এজন্য ঢাকা চেম্বারের পক্ষ হতে জাতীয় রাজস্ব বোর্ডকে ধন্যবাদ জানাই। এখানে বিশেষভাবে উল্লেখ করতে চাই যে, ঢাকা চেম্বারের প্রস্তাবনার প্রেক্ষিতে জাতীয় রাজস্ব বোর্ড করদাতাদের সম্মানার্থে সীমিতভাবে হলেও ট্যাক্স কার্ড প্রদান শুরু করেছে। ঢাকা চেম্বার আশা করে সকল করদাতার জন্য ট্যাক্স কার্ড প্রদান করা হবে যাতে করদাতাগণ কর প্রদানের জন্য গর্ভ করতে পারেন। আশা করি আগামী জাতীয় বাজেটেও ঢাকা চেম্বারের প্রস্তাব বাস্তবায়নের ধারাবাহিকতা অব্যাহত থাকবে।

XvKv tP^ofi i m^ovc^omi kmg^oni D^ot^ok^o n^olv temiKwii Lv^oZi Rb^o GKwU Gbvej^os cwi tek^o Zix Kiv hv^oZ temiKwii Lv^oZi Dci th^o i æ^ovqZ^o i t^oq^oZv m^oWKf^ote c^oZc^ojb Kti ^oek^oevRvti c^oZthvMx n^olv m^o n^oq^o XvKv tP^ofi KZ^oR c^ov^oZ ev^otRU c^olv^ove^obi m^oiv^oms^ot^oyc Avcbvi m^oq ^oeteP^obi Rb^o Z^otj ai^oQ t

১। ট্যাক্স নেট বৃদ্ধি করে কর হারহাসকরণ

miKvtii ivR⁻Av^oq^o GKwU eo Ask Av^otm e^oemv^oq^o i K^ov^o t^otk| ZvB e^oemv^oq^o i e^oem^ovtK m^out^omi Z Kivi m^othv^oM Kti ^ovtj miKvtii ivR⁻Av^oq^o ev^ote| Ab^o t^otk Ki n^olv ^ogv^o i g^ota^o t^oemk ivR⁻Av^ovt^oq^o j^ogv^olv av^oh^oKi^otj e^oemv^oq^o c^oZövb

m=úhwi Z nZ cvi te bv Ges ivR^AvqI evote bv| eis Zv e^emvqx`i Ki c0vfb wbiærmwvZ Kite| miKv`ii ivR^ Av`vtqi Ab`Zg j`y` Gi gva`tg t`iki AeKvWtqvmZ DbqB Ges bvMwi K mjeav eix Kiv| wKs`G t`y`t`i miKv`ii Aetnj vi Kvi`y e^emvqxiv Ki c0vfb DrmwvZ nZ cvi t0b bv| Guv mwZ`B nZvkvRbK th, 160 wgvj qb RbmsL`vi G t`ik gvI 1.4 wgvj qb tj vK AvqKi c0vb Ki t0b| Pj wZ 2012-13 A_@Qti ivR^Avtqi j`y`gvIv aiv nZtq0 1,12,259 tKwU UvKv hv MZ A_@Qti i cKZ ivR^Avq t`tK 18.84 kZvsk tewk| ZvB Avgiv কর হার বৃদ্ধি না করে ট্যাক্স নেট বৃদ্ধির মাধ্যমে সরকারের রাজস্ব আয় বাড়ানোর জন্য জোরালো সুপারিশ করছি, কারণ কর হার বৃদ্ধি করতে করতে এক পর্যায়ে আর বাড়ানো সম্ভব হবে না। তাই ট্যাক্স নেট বৃদ্ধি করা ছাড়া রাজস্ব আয় বৃদ্ধির আর কোন বিকল্প নেই। এ ব্যাপারে রাজস্ব বোর্ডকে সর্বাধিক গুরুত্বারোপ করার জন্য বিশেষভাবে অনুরোধ জানাচ্ছি।

২। দেশীয় শিল্পের সুরক্ষা

bZb wKí Kvi Lvbvq we`jr msthWm bv t`qv Ges e^emvq c0Z0vfb we`jr mieiv`n weNæNUvi Kvi`y t`kxq wKí c0Z0vfb th`y`wZ nq ZvtZ Avs`í RñZK evRvt`ii mv`t_ c0Z`thwvMZvq wU`tK`_vKv LpB KwB nZtq tMtQ| ZvB G`y`wZ j`vN`tei Rb` যে সকল চূড়ান্ত পণ্য বাংলাদেশে উৎপাদিত হচ্ছে সে সকল চূড়ান্ত পণ্য (**Finished goods**) আমদানির ক্ষেত্রে অতিরিক্ত ডিউটি বা ট্যাক্স আরোপ করে দেশীয় শিল্পকে সুরক্ষিত করা একান্ত প্রয়োজন বলে আমরা মনে করি। tmB mv`t_ wKí i KivPvgv Avg`wbi Dci hv`Z t`Kvb`m`tgB P0v`š`i c`Y`i b`vq wDUU ev U`v` Av`ivc Kiv bv nq, tm e`vcv`i Av`iv hZKxj nI qvi Rb` Avcbvi gva`tg RvZxq ivR^`teW`K Ab`t`i va KiwQ|

৩। ঢাকা কাস্টমস হাউজ অটোমেশন

mi Kwii`temi Kwii Askx`wi Zgj`K cKt`i i (wciwci) avi Yvi Avtj vt`K XivKv tP`vfi Ae Kgvw`A`vU BÜw`÷`ª (wMwvwmAvB) RvZxq ivR^`teW`K Ab`t`i b`m`tg XivKv Kv`÷`gm nvDm A`Uvtgk`b cKí ev`Í evqt`bi D`t``vM MhY Kti | Gj`y` XivKv tP`vfi MZ 9 b`t`f`f, 2008 Zwi`tL XivKv Kv`÷`gm nvDm Gi` mv`t_ GKwU mg`t`SivZ``j`i K``y`i Kti |

G cKí ev`Í evqt`bi j`y` XivKv tP`vfi WwUv mdw g`v`bRt`gU mwf`f`mm bvgxq GKwU mdw I q`vi tKv`úwb`t`K wbt`qvm t`q Ges নানা প্রতিকূলতা কাটিয়ে গত ১লা জুন, ২০১১ থেকে শুষ্কায়ন গ্রুপ-১ ও ২ এর বাণিজ্যিক কার্যক্রম শুরু করা হয়। eZ`v`b A`Uvtgk`b`i AvI Zvq i`é`vq Mæc 1 t`tK 4 chs`í ewYur`K Kvh`rg Pj`tQ| met`P`t`q eo I`_iæZc`Y`Mæc-5 GLbI A`Uvtgk`b`i AvI Zvq Avbqb mæe n`t`Q bv| GLv`b D`j`0L` th, XivKv Kv`÷`gm nvDm A`Uvtgk`b`i cKí wU AvBGdwm Gi Kwii Mix mrvqZvq ev`Í evqB Kiv n`t`Q| dtj AvBGdwm G cKt`i i cwi c`Y`ev`Í evqt`bi e`vcv`i XivKv tP`vfi`t`K t`Rv`it`j`v civgk`w` t`Q| eZ`v`b miKvi cvewj K-c0B`t`fU-cvU`v`i wK`t`ci Avtj vt`K w`b`t`qvm DrmwvZ Kti w`f`b`æKvh`rg nv`Z w`b`t`q`Q| temi Kwii LvZl G w`l`t`q mvg`t`bi w`t`K GwM`t`q Avm`t`Q| ঢাকা কাস্টমস হাউস অটোমেশন প্রকল্পটি যেহেতু পিপিপি'র আলোকে গৃহীত প্রথম পর্যায়ের একটি গুরুত্বপূর্ণ প্রকল্প তাই এর পরিপূর্ণ ও ফলপ্রসূ বাস্তবায়ন অত্যন্ত জরুরী। এ প্রকল্পটি বাস্তবায়নে ব্যর্থতা কিম্বা দীর্ঘসূত্রীতা হলে পিপিপি প্রকল্প সম্পর্কে বিনিয়োগকারীদের জন্য একটি ভুল বার্তা দিবে। ঢাকা কাস্টমস হাউস এর পরিপূর্ণ অটোমেশনের জন্য ইতোমধ্যে সিস্টেমটি সম্পূর্ণভাবে প্রস্তুত আছে। কাজেই শুষ্কায়নের সকল গ্রুপকে অটোমেশনের আওতায় আনয়নের লক্ষ্যে অতি সত্ত্বর বাকী গ্রুপ-৫ কেও অটোমেশন এর আওতায় আনয়নের জন্য জরুরী পদক্ষেপ গ্রহণের সুপারিশ করছি। এ ব্যাপারে আপনার ব্যক্তিগত পদক্ষেপ কামনা করছি।

৪। সরকারের রাজস্ব আয় ও সঞ্চয় স্বল্প সুদ হারে ব্যাংক গচ্ছিত রাখা

eZ`v`b AwZ D`P e`vsK m`f`i nvi e`vemv I w`b`t`qvm ew`x`iZ AbKj bq| e`vsK m`f`i nvi GK Ast`Ki t`Kv`vq bwg`t`q Riæix Ges G Rb` temi Kwii LvZi c`y` nZ evi evi ej`v`n`t`j I t`Zgb D`t``vM j`y` Kiv hvq bv| সরকার প্রতিবছর বিপুল পরিমাণ অর্থ জনগণের কাছ থেকে কর হিসেবে আদায় করে। সরকারের এ রাজস্ব আয় এবং সরকারি সঞ্চয়সমূহ কম সুদ হারে ব্যাংকগুলোতে জমা রাখলে, ব্যাংকগুলো তা আবার ব্যবসায়ী এবং গ্রাহকদের কম সুদ হারে ঋণ প্রদানে সক্ষমতা অর্জন করতে পারবে। এতে ব্যাংক সুদের হার এক অংকের কোঠায় নামিয়ে আনা সম্ভব হবে। t`iki ivR^`Avq Ges m`Aq``f` m`f` e`vs`t`K MwvOZ ivLvi dtj AvcvZ``w`t`Z miKv`i wKQlv j`vf Kg n`t`j I``xN`°t`gq`v` temi KviX LvZ e`vcK w`b`t`qvm ew`x`i gva`tg e^emv m`úhvi Y n`te Ges U`v` I f`vU Avni`Yi gva`tg ivR^`Avq Kt`qK`_Y ew`x`i cv`te| A_@wZ`t`Z GK ai`t`bi c0Y Piv`Aj`` m`w`b` n`te| কারণ এই অর্থ ব্যবসা-বাণিজ্যে যুক্ত হবে এবং এর ফলে জাতীয় রাজস্ব বোর্ড অধিক হারে ভ্যাট ও ট্যাক্স আদায় করেত সক্ষম হবে। আমরা জনগনকে অর্থ জমিয়ে না রেখে বিনিয়োগে আহ্বান জানাবো যাতে অর্থনীতি আরও সমৃদ্ধ হয়।

৫। ন্যাশনাল আইডি কার্ড

Avgt`i c0Z`K bvMwi`t`Ki t`fvUvi AvBwW KivW`°t`q`Q| wKs`Gi e`envi LpB mwgZ| GB t`fvUvi AvBwW KivW`K b`v`k`bj AvBwW KivW`°f`c`v`š`i i Kti Digitally Available Kiv c0qRvB| ডিজিটাল বাংলাদেশ গড়ে তোলার সবচেয়ে সহজ পদক্ষেপ হলো দেশের

niṭi eṃx cṭi"Q| Avgiv gṭb Kwi Drcv` bkyj LvZ bZb bZb Dṭ`v³v mṃoi gvaṭgB Nṭi Nṭi PṭKix cṭiṭbi j ṽ` ARṬ Kiv mṃe nṭe| আপনি জেনে খুশি হবেন যে, ঢাকা চেম্বার ২,০০০ নতুন উদ্যোক্তা তৈরীর পরিকল্পনা গ্রহণ করেছে এবং এ লক্ষ্যে আগামী অক্টোবর, ২০১৩ তে নতুন উদ্যোক্তা তৈরীর জন্য একটি সম্মেলন আয়োজন করা হবে। ঢাকা চেম্বারের এ উদ্যোগ বর্তমান সরকারের নতুন উদ্যোক্তা সৃষ্টির লক্ষ্যমাত্রা বাস্তবায়নে সহায়তা করবে। এবিষয়ে আপনার প্রাজ্ঞ দিক নির্দেশনা প্রত্যাশা করছি এবং এসব নতুন উদ্যোক্তাদের কর মুক্ত ভাবে ব্যবসা করার সুযোগ দিলে আমাদের এ উদ্যোগ স্বার্থক হবে।

৭.১০। নন-ব্যাংকিং ফাইন্যান্সিয়াল ইনস্টিটিউশন

bb-e`vsiṭKs dvBbwYqj BbwóUDKbm (GbwGdAvB) emYR`K e`vstṭKi b`vq evsj ṽ`k e`vsK Ṭviv wbcqṣZ I cwi Pwv Z nq| ZvB Ki Avṭiṭci ṭṽṭI Dfṭ ṭṽṭI GKB wbcg AbṃiY Kiv cṬqvRb| ṭṭnZṭaviv 28 (3) G GbwGdAvB Gi K_v Dṭj ṬL ṭbB, ZvB Ki KZṬṽ ṭ ayemYR`K e`vsK_ṭj ṽK GB ṭṽṭI mṃeav w`ṭq_ṽK| ZvB e`vsK Ges bb-e`vsiṭKs dvBbwYqj BbwóUDKb DfṭqṭKB aviv 28 (3)-1 AśÍ fṭ Kiv ṭṭZ cṭi| ZvB Avṽvqx I mṭ`nRbK FṭYi mṭ`i Dci Ki Avṭiṭci ṭṽṭI AvqKi Aaṽṽ`k 1984 Gi aviv 28 (3) ṭZ emYR`K e`vstṭKi cvkvcwk bb-e`vsiṭKs dvBbwYqj BbwóUDKbm (GbwGdAvB) ṭK AśÍ fṭ Kiv ṭṭZ cṭi |

8| আমদানি শুল্ক ও সম্পূরক শুল্ক সংক্রান্ত সুনির্দিষ্ট প্রস্তাব

8.1| শুল্ক কাঠামোর স্তর

`vbxq ṭkí ṭK mj ṭv Ges msi ṭṭYi Rb` 2013-14 A_ṬṬii Rb` Pvi ṭ`i iewkó ké KvVṭgv ṭhgbt Drcv`ṭbi aib ev Drcv`ṭKi ṭkYx wbcṭkṭi ṭ`ṭk Drcw` Z nq bv Gifc mKj cṬvi gj abx hšcwZ I hšṽṭki Dci Avg`wṭ i é nvi 0 (kb`) kZvsk, ṭṭṽj K DcKib I KuPvgj Ges ṭ`ṭk Drcw` Z nq Gifc gj abx hšcwZ I hšṽṭki Dci 3 kZvsk, ga`eZṬ KuPvgṭṭi Dci 12 kZvsk, %Zix cṭY`i Dci 25 kZvsk| GṬov Kwṭ KvṭR e`envhṃmvi I exR Ges Avg`wṭKZ cṭvb cṭvb Lv` km, Lv` `é, JIa Ges KuPv Zjvi ṭṭṭI w`gṽb i é nvi 0 (kb`) kZvsk Acwi ewZ i vLv ṭṭZ cṭi |

8.2| সম্পূরক শুল্ক

ṭ`ṭki Af`śÍ ixY ṭkí cY`mgṭni mj ṭvi Rb` ermi-wfiEK chṭj vPbiceṬ mṃúṭK i é Avṭivc Kiv ṭṭZ cṭi | `vbxq ṭkṭi i msi ṭṭY Ges Avg`wṭ weKí ṭkí Mṭo ṭZvj v Ges mṃcṭhviṭYi j ṭṭṭI `Zix cṭY`i ṭṭṭI mṭeṬP i é nvi Avṭiṭci cvkvcwk cṬqvRbxq nṭi mṃúṭK i é Avṭivc/eṃx Kivi cṬ`ve Kiv hvṭ"Q|

8.3| অর্থ বছরের মধ্যবর্তী সময়ে শুল্ক কর হ্রাস/বৃদ্ধি সংক্রান্ত এসআরও জারী পরিহার

i é KvVṭgvṭZ Nb Nb cwi eZṬ Avbqṭbi dṭj ṭ`ṭki ṭkí vqṭbi mvejxj Dbqṭb evavi mṃo nq Ges Avg`wṭKvi K Ges ṭṭv³v ṭkYx ṽwZMṬ`nṭq_ṽKb| evṭRU ṭNvi Yvi ci A_ermṭi i ga`eZṬ mgṭq GmAvi I RviXKiṭYi gvaṭg i é Kṭi i nvi nwm/eṃxKib cwi nvi Kiv cṬqvRb|

8.4| শুল্ক কর হার যৌক্তিকীকরণে কমিটি

e`emvqx I Drcv` K weṭkI Zt Avg`wṭKvi K I GKB cṭY`i `vbxq Drcv` KMṭYi ṭ`ṭeci xZgṭx| GgbwK GK ṭkṭi i KuPvgj Ací ṭkṭi i Drcw` Z cY`| Gṭ`i ṭ`ṭṬ`Ṭ gṭa` mgšṭ mṃab Kṭi Kinvi wbaṭṭiṭbi Rb` mi Kwi I temi Kwi cṬZwba wṭq GKw RvZxq chṭqi Kugw Kivi cṬ`ve Kiv nṭj v|

9| মূসক সংক্রান্ত সুনির্দিষ্ট প্রস্তাব

9.1| টার্নওভার কর

K) ṭṭ`e`emv I ṭkí cṬZṭvb ṭ`ṭki A_ṬwZṭZ ṽiaZcṽṽṽ fṭgKv ivṭL| ZvB ṭṭ`e`emvqx Ges Dṭ`v³vṽ`i DrmwnZ KiṭZ ewṭṭ UvYṬ fvi eZṭṭṭbi 70 j ṭṭ UvKv ṭ`ṭK eṃx Kṭi 1 ṭKwU UvKv wbaṭṭiṭbi Ges UvYṬ fvi U`v- Gi nvi 2% Kivi cṬ`ve ivLwQ|

৮.৯। কোন পণ্যের আমদানি পর্যায়ে মুসক আরোপিত না থাকলে ঐ পণ্যের উৎপাদন পর্যায়েও মুসক আরোপ না করার প্রস্তাব করছি।
এতে স্থানীয় শিল্প সুরক্ষিত হবে এবং এর বিকাশ ঘটবে।

G mg-Í mpcwi k QrovI wKQzmybw` 0 cÍ Ívebv Avgvt` i evtRU cÍ Ívte DÍj ØL Kiv ntqtQ| Gme mpcwi k Gi cÍZdj b NUÍj
t`tk e`emv-evÚe cwi tek mÍó nte Ges mi KvÍi i ivR`^Avq eÍ× crte|

XvKv tPvÍi i be wbeÍPZ cwi Pvj bv cl©-tK mgq w`tq AvRtKi G dj cÍh-mfv Abpvtbi Rb` AvcbvtK Avevi I ab`ev`
RwbÍtq Ges eiveti i gZ XvKv tPvÍi i mnthwMZvi e`vcvti AvkÍ Í KÍi Awg Avgvi e³e` tkl KivQ|

Avj Øvn nvtDR

মোঃ সবুর খান
mfvcwZ, wWvmmAvB

Zwi L t 06 GicÍ , 2013|